



A



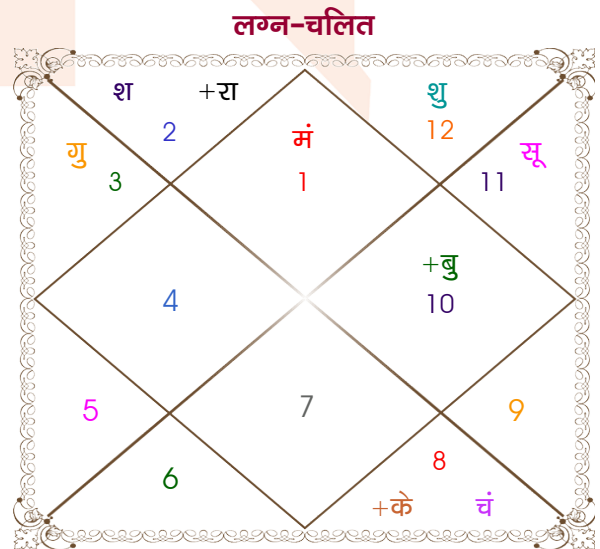
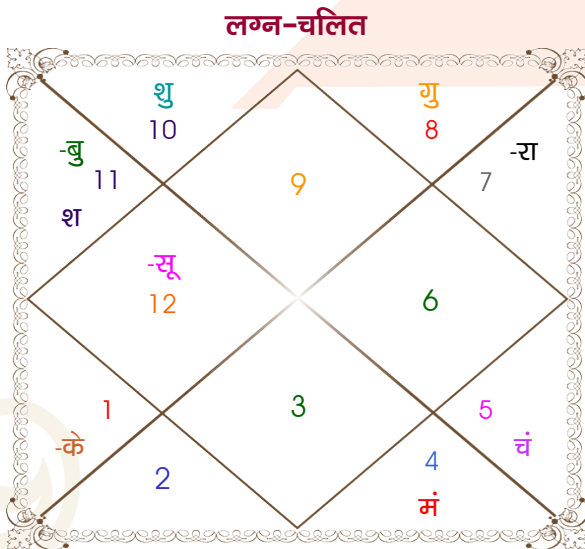
B

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121578903

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : स्त्रीलिंग
 15-16/03/1995 : _____ जन्म तिथि _____ : 05/03/2002
 बुध-गुरुवार : _____ दिन _____ : मंगलवार
 घंटे 02:55:00 : _____ जन्म समय _____ : 09:45:00 घंटे
 घटी 50:44:20 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 07:23:54 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jaipur Rly Station : _____ स्थान _____ : Jaipur Rly Station
 26:54:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ : 26:54:00 उत्तर
 75:48:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ : 75:48:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:26:48 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:26:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:37:16 : _____ सूर्योदय _____ : 06:47:26
 18:35:28 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:29:41
 23:47:35 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 23:52:58

विंशोत्तरी शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि चन्द्र 04/02/2017 05/02/2027	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी शनि 9वर्ष 11मा 7दि बुध 11/02/2012 10/02/2029
चन्द्र	06/12/2017	06:12:17	06:12:17	06:12:17	06:12:17	06:12:17
मंगल	07/07/2018	21:09:39	21:09:39	21:09:39	21:09:39	07/07/2018
राहु	06/01/2020	21:31:00	21:31:00	21:31:00	21:31:00	06/05/2018
गुरु	07/05/2021	22:25:21	22:25:21	22:25:21	22:25:21	13/03/2019
शनि	06/12/2022	12:26:34	12:26:34	12:26:34	12:26:34	11/08/2020
बुध	06/05/2024	12:26:34	12:26:34	12:26:34	12:26:34	09/08/2021
केतु	06/12/2024	05:38:52	05:38:52	05:38:52	05:38:52	26/02/2024
शुक्र	06/08/2026	01:15:20	01:15:20	01:15:20	01:15:20	03/06/2026
सूर्य	05/02/2027	06:46:19	06:46:19	06:46:19	06:46:19	10/02/2029



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	कीटक	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	सिंह	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

A का वर्ग मूषक है तथा B का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार A और B का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

A मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

भौमे: वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल A कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

अजे लग्ने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते।

वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते।।

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में प्रथम भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

A तथा B में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

